INDIA'S BEST PERFORMING PORT

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण

जनहित प्रकटीकरण और मुखबिर संरक्षण संकल्प, 2004 (पीआईपीआई)

पीआईडीपीआई क्या है?

- पीआईडीपीआई भारत सरकार का एक संकल्प है।
- इसके तहत दर्ज सभी शिकायतों के लिए शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाती है।

पीआईडीपीआई शिकायत कैसे दर्ज की जाती है?

- सचिव सीवीसी को शिकायत संबोधित की जानी चाहिए और लिफाफे पर "पी आय डी पी आय" लिखा जाना चाहिए।
- शिकायतकर्ता का नाम और पता लिफाफे पर नहीं अपितु एक बंद लिफेफे में अंदर लिखे पत्र में लिखा होना चाहिए।

शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखने की सुनिश्चितता संबंधी दिशानिर्देश

- जो शिकायते व्यक्तिगत रूप से शिकायतकर्ता से संबंधित है या अन्य प्राधिकारियों को संबंधित है, उनमें पहचान का प्रकटीकरण हो सकता है।
- शिकायते खुले रूप में या सार्वजनिक पोर्टल पर नहीं भेजी जानी चाहिए।
- पहचान का प्रकटीकरण करने वाले दस्तावेज शिकायत में संलग्न या उल्लिखित नहीं किए जाने चाहिए। जैसे: आरटीआई के अंतर्गत प्राप्त दस्तावेज़।
- पुष्टिकरण के उद्देश्य से लिफाफे के अंदर पत्र पर नाम और पता का उल्लेख किया जाना चाहिए।
- जिन शिकायतों की पुष्टि प्राप्त नहीं होती है, उन्हें बंद कर दिया जाता है।
- गुमनाम/ छद्मनाम पत्रों पर विचार नहीं किया जाता है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023

अधिक जानकारी के लिए : https://www.cvc.gov.in

INDIA'S BEST PERFORMING PORT

जवाहरलाल नेहरू बंदर प्राधिकरण

सार्वजनिक हित प्रकटीकरण आणि माहिती प्रदाता संरक्षण ठराव, २००४ (पी आय डी पी आय)

पी आय डी पी आय काय आहे ?

- पी आय डी पी आय हा भारत सरकारचा ठराव आहे.
- या अंतर्गत तक्रार दाखल करणा-या तक्रारदाराची ओळख गुप्त ठेवली आहे.

पी आय डी पी आय तक्रार कशी दाखल केली जाते ?

- तक्रार, 'सचिव, केंद्रीय सतर्कता आयोग' यांना संबोधित केली जाते आणि लिफाफ्यावर "पी आय डी पी आय" असा उल्लेख केला जातो.
- तक्रारदाराचे नाव आणि पत्ता लिफाफ्यावर नसावा परंतु, लिफाफ्यात बंद असलेल्या पत्रात असावा.

तक्रारदाराची ओळख गोपनीय राहील याचे पुष्टीकरण करण्यासाठी मार्गदर्शक तत्वे

- तक्रारकर्त्याशी वैयक्तिकरित्या संबंधित असलेल्या किंवा इतर अधिका-यांना संबोधित केलेल्या तक्रारींमुळे ओळख उघड होऊ शकते.
- तक्रारी खुल्या स्वरूपात किंवा सार्वजनिक पोर्टल वर पाठवू नयेत.
- ज्या कागदपत्रांमुळे ओळख उघड होईल अशी कागदपत्रे जोडू नयेत अथवा त्यांचा उल्लेख तक्रारीत करु नये. उदा. माहितीच्या अधिकाराअंतर्गत प्राप्त झालेली कागदपत्रे.
- पुष्टीकरणासाठी लिफाफ्याच्या आतील पत्रात नाव आणि पत्त्याचा उल्लेख असावा.
- ज्या तक्रारीचे पुष्टी करण होणार नाही, ती तक्रार बंद करावी.
- निनावी/ टोपणनावाने आलेली पत्रे विचारात घेऊ नयेत.

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023

अधिक माहिती साठी संपर्क करा https://www.cvc.gov.in

INDIA'S BEST PERFORMING PORT

JAWAHARLAL NEHRU PORT AUTHORITY

PUBLIC INTEREST DISCLOSURE & PROTECTION OF INFORMER RESOLUTION, 2004 (PIDPI)

WHAT IS PIDPI?

- PIDPI is a resolution of Government of India
- Identity of the complainant is kept confidetial for all complaints lodged under it

HOW IS PIDPI COMPLAINT FILED?

- The Complaint should be addressed to Secretary, CVC and the envelope should be superscribed as "PIDPI"
- Name and Address of the complainant should NOT be mentioned on the envelope but in the letter inside in a closed cover

GUIDELINES TO ENSURE IDENTITY OF COMPLAINANT REMAINS CONFIDENTIAL

- Complaints thet are personally related to the complainant or addressed to other authorities may lead to disclosure of identitiy
- Complaints should not be sent in open condition or on public portal
- Documents that reveal identity should not be enclosed or mentioned in the complaint, Eg: documents received uder RTI
- Name and address should be mentioned on the letter inside the envelope for confirmation purposes
- Complaints where confirmation is not received are closed
- Anonymous / pseudonymous letters are not entertained

VIGILANCE AWARENESS WEEK 2023

For more details visit. https://www.cvc.gov.in